

सफल आंत्रप्रेन्योर बनने 6पी को फॉलो करना जरूरी : सोनी



सिटी रिपोर्टर. रायपुर

आईआईएम में प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी) के तीसरे बैच का कैम्पस इमर्सन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस दौरान सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप पर आयोजित संगोष्ठी में चीफ गेस्ट के रूप में मनरेगा, पंचायत राज विभाग और पंजीयक, सहकारी समितियों के आयुक्त दीपक सोनी मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता के अवसरों और सहकारी समितियों को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था को चलाया जा सकता है। उन्होंने "सामाजिक उद्यमिता के 6पी" पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप में सफलता के लिए 6पी यानी पब्लिक, प्रॉब्लम, प्लानिंग, प्रियोरिटी, प्रोटोटाइप और प्रोग्रेस पर फोकस करना चाहिए। आंत्रप्रेन्योर को पहले ये डिसाइड करना चाहिए कि वे किन लोगों के लिए किस समस्या को लेकर काम करना चाहते हैं और इसके लिए उन्हें प्राथमिकता तय करनी चाहिए। क्योंकि इसी को ध्यान में रखकर ही रिसर्च और प्रोडक्ट डेवलप किया जाता है।

समाज को लाभ पहुंचाने टेक्नोलॉजी जरूरी

प्रोग्राम में भविष्य के वैश्विक व्यापार लीडर्स के लिए अवसर और चुनौतियां पर पैनल डिस्कशन हुआ। इसमें पैनलिस्ट ने कहा कि समाज के लाभ पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी और एआई के उपयोग की आवश्यकता है। इस दौरान बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी डॉ. शिशांक ने कहा कि व्यवसाय करने का तरीका वर्षों पहले जैसा ही है, लेकिन उपभोक्ता की मानसिकता बदल गई है। इस समय सामाजिक प्रभाव गायब है और लीडर्स को समाज को वापस देने पर फोकस करना चाहिए। डॉ. सारा ग्रेसी ने भविष्य के लीडर्स को निर्णय लेने की स्वतंत्रता, क्रियान्वयन में प्रशिक्षण व दक्षता और पर्सनल व प्रोफेशनल सपोर्ट के लिए रिलेशन बनाना चाहिए। इस दौरान पूर्व छात्रों ने भी स्टूडेंट्स को टिप्स दिए। इस दौरान प्रो. दीप्तिमान बनर्जी, प्रो. सत्यसिबा दास, प्रो. नवजोत संधू व अन्य मौजूद थे।